

न्याय  
शास्त्री : तृतीय-सत्रार्द्धः

DSE - 2

षोडशपदार्थी

| क्र. | पाठ्यक्रमविवरणम्                                                                                                                  | क्रेडिट | होरा  |
|------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-------|
| 1    | शास्त्रप्रयोजनम्, पदार्थोद्देशः, तत्त्वज्ञानान्मुक्तिकिप्रकारः, प्रमाणलक्षणविभागौ च<br>प्रत्यक्षानुमानोपमानशब्दानां लक्षणविभागौ च | 1       | 16-20 |
| 2    | प्रमेयनिरूपणम्                                                                                                                    | 1       | 16-20 |
| 3    | संशयप्रयोजनदृष्टान्तसिद्धान्तावयवाः                                                                                               | 1       | 16-20 |
| 4    | तर्कनिर्णयवादजल्पविण्डाहेत्वाभासच्छलजातिनिग्रहस्थानानि                                                                            | 1       | 16-20 |

निर्धारितः पाठ्यग्रन्थः

१. न्यायसूत्रभाष्यम् (प्रथमोऽध्यायः)

सहायकसन्दर्भग्रन्थाः

1. न्यायसूत्रभाष्यव्याख्या-खद्योतः (गङ्गानाथझाविरचितः)
2. विश्वनाथविरचिता न्यायसूत्रवृत्तिः

न्यायविद्याशाखाप्रमुखः - प्रो. के.ई.मधुसूदन

दिनांकः 21/05/2024

8

हस्ताक्षरम्